Pakistani Remote Controlled Pilotless Vehicle

*355. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR
SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that no wreckage of the Pakistani Remote Controlled Pilotless Vehicle (RPV) shot down over Bhuj was recovered around the site;

(b) if so, whether it is a fact that the Pakistani RPV is likely to have managed to escape and was not really shot down; and

(c) whether the Pakistani RPVs stray into Indian airspace under the cover of civilian planes and go unnoticed; if so, the Government's reaction thereto for security of Indian airspace against espionage and surveillance by foreign aircrafts?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI MULAYAM SINGH YADAV): (a) to (c) In January, 1997, the Indian Air Force sighted an intrusion by a remotely piloted vehicle (RPV). Since this was an unlawful intrusion into Indian airspace, it attempted to intercept the RPV, and also fired at it. Although the RPV was seen to be hit, due to inhospitable terrain and marshy land, no debris has been recovered. There have been stray violations of Indian airspace from across the borders in the past as well, which were taken up with the neighbouring country concerned. Steps have also been taken to prevent such intrusions in future.

गुजरात दूरसंचार सर्कल द्वारा उपयोग न की गई धनराशि का लौटाया जाना

*356. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1995-96 के दौरान, सरकार द्वारा गुजरात सर्कल को आबंटित की गई धनराशि का अद्यतन जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सर्कल द्वारा कितनी धनराशि उपयोग में लाई गई/लौटाई गई;

(ग) गुजरात में दूरसंचार व्यवस्था में सुधार लाने के लिए आबंटित की गई धनराशि को लौटाने के क्या कारण है;

(घ) क्या उक्त अवधि के दौरान देश के किसी अन्य दूरसंचार सर्कल ने भी सरकार द्वारा आबंटित की गई धनराशि में से कोई धनराशि लौटाई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण है?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) 1995-96 के दौरान गुजरात दूरसंचार सर्कल को 4742190 हजार रुपये की राशि आबंटित की गई थी। जिला-वार ब्यौरा विवरण में संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ख) 4681743 हजार रुपये की राशि का प्रयोग, सर्कल द्वारा किया गया है और शेष 60447 हजार रुपये अप्रयुक्त रह गए हैं।

(ग) 60447 हजार रुपये की राशि, भूमि अधिग्रहण संबंधी मामलों को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण प्रयोग नहीं की जा सकी।

(घ) और (ङ): जी हां। कुछ दूरसंचार सर्कलों ने 1995-96 के दौरान आबंटित रकम का कुछ अंश निम्नानुसार अभ्यर्पित कर दिया है।

दूरसंचार सर्किल	अभ्यर्पित रकम (करोड़ रुपये में)
मध्य प्रदेश दूरसंचार	55.00
बिहार दूरसंचार	37.07
कलकत्ता परियोजनाएं	40.00
एएलटीटीसी, गाजियाबाद	1.72
दूरसंचार फैक्टरी, जबलपुर	0.49

यह अभ्यर्पण, वित्तीय वर्ष 1995-96 में कुछ दूरसंचार उपस्कर प्राप्त न होने के कारण किया गया है।

इसके अलावा, कुछ सर्कलों ने 1995-96 के अंतिम अनुदान के तहत उन्हें आबंटित रकम का प्रयोग नहीं किया है। ब्यौरा विवरण-II में दिया गया है। **(नीचे देखिए)**। इस प्रकार की बचत मुख्यतः कुछ उपस्कर प्राप्त न होने, अदाकर्ता सर्कलों से नामे राशि प्राप्त न

होने, आपूर्तिकर्ताओं से बिल प्राप्त न होने, भूमि संबंधी मामलों को अंतिम रूप न दिए जाने और सिविल कार्य पूरे न होने के कारण हुई।

विवरण-I

वर्ष 1995-96 के दौरान गुजरात दूरसंचार सर्किल को आबंटित राशि का जिलावार ब्यौरा

(हजार रु० में)

क्र० सं०	सेकेंडरी स्विचन क्षेत्र/ जिले का नाम		आबंटित राशि
1.	जीएमटीडी	अहमदाबाद	985106
2.	"	बड़ौदा	500683
3.	"	मेहसाना	353770
4.	"	नाडियाड	169916
5.	"	राजकोट	365595
6.	"	सूरत	380802
7.	टीडीएम	भड़ूच	129642
8.	"	भावनगर	136010
9.	"	भुज	299672
10.	"	बलसार	186290
11.	"	गोधरा	51025
12.	"	हिम्मतनगर	332469
13.	"	जामनगर	90487
14.	"	जूनागढ़	132721
15.	"	पालनपुर	107466
16.	"	सुरेन्द्रनगर	150004
17.	टीडीई	अमरेली	98655
18.	अन्य (सिविल/इलेक्ट्रिकल/कम्प्यूटर)		271877
	जोड़		4742190

विवरण-II

1995-96 के दौरान अंतिम अनुदान आबंटित करने के संदर्भ में दूरसंचार सर्किलों द्वारा (गुजरात दूरसंचार सर्किल को छोड़कर) जहां धन-राशि एक करोड़ रु० से अधिक है अप्रयुक्त धनराशि का ब्यौरा

क्र० सं०	सर्किल का नाम	अप्रयुक्त धन-राशि (करोड़ रु० में)
1.	आन्ध्र प्रदेश	7.69
2.	बिहार	2.22
3.	जम्मू-कश्मीर	28.24
4.	मध्य प्रदेश	76.57
5.	उत्तर पूर्वी	7.42
6.	उड़ीसा	20.19
7.	राजस्थान	8.43
8.	उत्तर प्रदेश (पूर्वी)	1.46
9.	कलकत्ता परियोजनाएं	4.86
10.	नई दिल्ली परियोजनाएं	22.76
11.	डाटा नेटवर्क्स	5.54
12.	आर ई पी नागपुर	2.47
13.	ए एल टी टी सी गाजियाबाद	3.80
14.	टेलीकॉम फैक्ट्री, कलकत्ता	2.30
15.	टेलीकॉम फैक्ट्री, जबलपुर	2.04

Marine Engineering College at Tuticorin

*357. SHRI S. MUTHU MANI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government are considering establishing a Marine Engineering College at Tuticorin like the one established at Chennai under Chennai Port Trust;

(b) whether Government have received any representation to this effect from the employees trade union under Tuticorin Port Trust;

(c) if so, the action taken by Government to establish the said Marine Engineering College at Tuticorin; and

(d) if not, the reasons thereof?